वन उत्पादकता संस्थान, रांची के कार्यक्रम में
माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी द्वारा किसानों के समूह को संबोधन

वन उत्पादकता संस्थान, (भा.वा.अ.ए.शि.प.), रांची के वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र, पटना तथा पर्यावरण एवं वन विभाग, पटना, बिहार सरकार के संयुक्त कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 3 अप्रैल, 2018 को बिहार के उप मुख्यमंत्री माननीय श्री सुशील कुमार मोदी ने किया। अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने वन उत्पादकता संस्थान, रांची के अंतर्गत वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र, पटना द्वारा किये जा रहे वानिकी प्रसार कार्यक्रम की संक्षिप्त रुपरेखा प्रस्तुत की तथा इस कार्य हेतु बिहार राज्य पर्यावरण एवं वन विभाग, पटना के द्वारा संस्थान को किये जा रहे सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया. कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए डा. कुलकर्णी ने कहा कि किसान भाइयों द्वारा देश के विभिन्न संस्थानों का भ्रमण एवं प्रदर्शन से देश में चल रहे विभिन्न कृषि वानिकी के कार्यक्रम की वास्तविक स्थिति का ज्ञान तथा उनसे होने वाले लाभ के जीते जागते उदहारण देखने को प्राप्त होते हैं, जिससे वो उन्हें अपने आवश्यकता के अनुसार लागू कर उससे अतिरिक्त आय के श्रोत पैदा कर सकते हैं, जिसके लिए इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत लाभदायक हैं.

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री माननीय सुशील कुमार मोदी ने कहा कि इस वर्ष कृषि वानिकी के प्रशिक्षण हेतु ५००० से ज्यादा किसानों को कृषि वानिकी का प्रशिक्षण देने के लिए देश के दूसरे राज्यों में भेजा जायेगा. प्रशिक्षण के बाद इन किसानों के सहयोग से अगस्त माह में एक दिन तयकर एक करोड़ पौधे लगाये जायेगें. माननीय उप मुख्यमंत्री ने पटना के अरण्य भवन में आयोजित समारोह में ५१ किसानों को कृषि वानिकी योजना के तहत हल्द्वानी एवं पंतनगर रवाना किया.

संस्थान की ओर से डा. शरद तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक अनुसन्धान ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं किसानों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव किया. कार्यक्रम का संचालन डा. संजय सिंह, विभागाध्यक्ष कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया. सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजन में श्री आदित्य कुमार, प्रभारी, वा.अ.ए.प्र. केंद्र पटना और कर्मचारीगण की महत्वपूर्ण भूमिका रही. पर्यावरण एवं वन विभाग की ओर से वन विभाग के प्रधान सचिव श्री त्रिपुरारी शरण, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार श्री डी. के. शुक्ला, श्री यू एस झा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक और कई उच्च अधिकारी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सुशील मोदी ने वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे संस्थान के कार्यों के लिए संस्थान के निदेशक सहित पूरी टीम की प्रशंसा भी की।

मंच पर आसीन बिहार के उप मुख्यमंत्री माननीय श्री सुशील कुमार मोदी, वन विभाग के प्रधान सचिव श्री त्रिपुरारी शरण, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार श्री डी. के. शुक्ला, वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी, समूह समन्वयक अनुसन्धान डा. शरद तिवारी एवं कृषि वानिकी का प्रशिक्षण लेने हल्द्वानी एवं पंतनगर जाते कृषक

बिहार के उप मुख्यमंत्री माननीय श्री सुशील कुमार मोदी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते डा. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन विभाग के प्रधान सचिव श्री त्रिपुरारी शरण का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते समूह समन्वयक अनुसन्धान डा. शरद तिवारी

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बिहार श्री डी. के. शुक्ला का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते वा.अ.ए.प्र. केंद्र के प्रभारी श्री आदित्य कुमार

कार्यक्रम में उपस्थित कृषक एवं वन विभाग के अधिकारी

डा. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची स्वागत संबोधन करते हुए

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा. संजय सिंह, विभागाध्यक्ष कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, वन उत्पादकता संस्थान, रांची

सभा को संबोधित करते बिहार के उप मुख्यमंत्री माननीय श्री सुशील कुमार मोदी

कार्यक्रम में उपस्थित कृषक एवं वन विभाग के अधिकारी

उप मुख्यमंत्री माननीय श्री सुशील कुमार मोदी एवं वन विभाग के प्रधान सचिव श्री त्रिपुरारी शरण को संस्थान के तहत होने वाले शोध कार्यक्रम के बारे में विचार विमर्श करते संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी

विशिष्ट अतिथियों के साथ उप मुख्यमंत्री माननीय श्री सुशील कुमार मोदी

समारोह के उपरांत मुख्य अतिथिगण को विदा करते संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी

दैनिक जागरण पटना, 4 अप्रैल 2018

पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण के लिए इस वर्ष दूसरे राज्य भेजे जाएंगे पांच हजार किसान, किसानों के दल को रवाना करते हुए उप मुख्यमंत्री ने की घोषणा

अगस्त में एक दिन में लगाए जाएंगे एक करोड़ पौधे

जागरण संवाददाता, पटना : राज्य के पांच हजार किसान इस वर्ष कृषि वानिकी का प्रशिक्षण दिलाने के लिए दूसरे राज्यों में भेजे जाएंगे। अगस्त माह में एक तिथि निर्धारित कर सूबे में अभियान चलाकर एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। अभियान में कृषि विभाग के कृषि सलाहाकर सहित कई विभागों को जोड़ा जाएगा। पांच वर्ष में सूबे में साढ़े चौदह करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। 9.20 करोड़ पौधे का वन क्षेत्र और 5.30 करोड़ पौधे कृषि वानिकी योजना के तहत लगाए जाएंगे। उक्त बातें मंगलवार को अरण्य भवन में कृषि वानिकी योजना के तहत 51 किसानों के दो जत्थे हल्द्वानी और पंतनगर रवाना करने से पहले पर्यावरण एवं वन मंत्री सह उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कही।

प्रशिक्षण के लिए रवाना होने वाले किसानों के साथ उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी। • जागरण

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शरद पवार ने महाराष्ट्र के एक हजार किसानों को अंगूर के खेती के प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा था। उसके बाद महाराष्ट्र अंगूर उत्पादन में अग्रणी बन गया। मछली उत्पादन के प्रशिक्षण के लिए राज्य के बाहर किसानों को भेजा गया तो मछली उत्पादन में बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृषि वानिकी के नई तकनीक के प्रशिक्षण के लिए किसानों को राज्य के बाहर भेजा जा रहा है। सरकार की मंशा है कि किसान आर्थिक रूप से मजबूत हों। उन्होंने कहा कि कृषि वानिकी नीति शीघ्र ही बिहार में लागू होगी। बांस की खेती को राज्य सरकार बढ़ावा देने जा रही है।

इस अवसर पर पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रधान सचिव त्रिपुरारी शरण ने कहा कि कृषि वानिकी विभाग हरित आवरण को बढ़ाने का काम कर रहा है। प्रदूषण को रोकने के लिए हरियाली को बढ़ावा देना आवश्यक है। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डीके शुक्ला ने कहा कि 43 हजार किसानों को बिहार में तथा चार हजार किसानों को राज्य के बाहर प्रशिक्षण दिलाया जा चुका है। वैज्ञानिक तकनीक से बिहार में पौधरोपण हो रहा है। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक यूएस झा, वन उत्पादकता संस्थान रांची के नितिन कुलकर्णी, पटना डीएफओ सुनील कुमार सिन्हा, चिड़ियाघर निदेशक कमलजीत सिंह आदि मौजूद थे। मंच संचालन संजय सिंह ने किया।

प्रभात खबर
पटना, बुधवार
4.04.2018

कृषि वानिकी से आयेगी आर्थिक क्रांति

संवाददाता ▷ पटना

उप मुख्यमंत्री सह पर्यावरण व वन मंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि बिहार में आर्थिक क्रांति कृषि वानिकी से ही आयेगी. कृषि वानिकी नीति बनाने के लिए विशेषज्ञों की समिति गठित की गयी है. कृषि रोड मैप का तीसरा चरण है. इसके तहत अगले पांच साल में बिहार में 14.5 करोड़ पौधे लगाये जायेंगे. मोदी मंगलवार को बिहार से दो जत्थों में पंतनगर और हल्द्वानी जानेवाले 55 किसानों को संबोधित कर रहे थे. वानिकी अनुसंधान व प्रसार केंद्र पटना, वन उत्पादकता संस्थान रांची तथा पर्यावरण व वन विभाग पटना द्वारा आयोजित. कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने बताया कि जुलाई–अगस्त में किसी एक दिन में अभियान चला कर पूरे प्रदेश में एक करोड़ पौरोपण किया जायेगा. कृषि वानिकी को बढ़ावा देकर न केवल हरित आवरण क्षेत्र को बढ़ावा दिया जायेगा, इस साल पांच हजार किसानों को प्रशिक्षण कराने का लक्ष्य है. मौके पर प्रधान सचिव त्रिपुरारी शरण, मुख्य वन संरक्षक देवेंद्र शुक्ला, वन निदेशक नितिन कुलकर्णी आदि ने विचार रखे.

कार्यक्रम के दौरान डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी व अन्य.

दैनिक भास्कर

पटना, बुधवार, 04 अप्रैल, 2018 | 7

मोदी बोले- कृषि वानिकी से मिलेगी राज्य को नई दिशा

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कृषि वानिकी से बिहार को नई दिशा मिलेगी। वे मंगलवार को कृषि वानिकी का प्रशिक्षण लेने पंतनगर व हल्द्वानी जा रहे 55 किसानों को संबोधित कर रहे थे। बोले- पांच वर्षों में बिहार में 14.5 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। इस साल जुलाई, अगस्त में दो-तीन दिनों का अभियान चलाकर एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। कृषि वानिकी नीति बनाने के लिए विशेषज्ञों की समिति बनी है। मकसद, हरित आवरण क्षेत्र को बढ़ाने के साथ किसानों की आमदनी को दोगुना करना है।

हिन्दुस्तान
पटना • बुधवार • 04 अप्रैल 2018

कृषि वानिकी में 5 हजार किसान होंगे प्रशिक्षित

वन एवं पर्यावरण

पटना। हिन्दुस्तान ब्यूरो

उप मुख्यमंत्री सह वन एवं पर्यावरण मंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि कृषि वानिकी से बिहार को नई दिशा मिलेगी। इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार पांच हजार किसानों को राज्य के बाहर भेजकर प्रशिक्षण दिलाएगीं। पहले मात्र 1980 किसानों को ही प्रशिक्षण की योजना बनी थी।

कृषि वानिकी के प्रशिक्षण के लिए बिहार से पंतनगर व हल्द्वानी जा रहे दो जत्था को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि वानिकी नीति बनाने के लिए विशेषज्ञों की कमेटी गठित की गई है। इससे हरित आवरण को बढ़ावा मिलेगा व किसानों की आय दोगुनी होगी। विभिन्न जिलों से जा रहे 55 किसानों में से 30 पंतनगर और 25 को हल्द्वानी में पांच से सात अप्रैल को प्रशिक्षण मिलेगा।

कृषि वानिकी के काम पर कहा कि बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए भागलपुर में टिश्यू कल्चर लैब की स्थापना की गई है। सुपौल में भी बांस के पौधे तैयार किए जाने लगेंगे। केंद्रीय बजट में बांस को ग्रीन गोल्ड कहा गया है। कृषि रोड मैप में अगले पांच वर्षों में बिहार में 14.5 करोड़ पौधे लगाए जाने हैं। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर एक करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य है।